HCW-16070301010900 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. I) (CBCS) (W.E.F.-2016) Examination

October / November – 2017

Hindi : Core - I

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।

१ 'जयद्रथ–वध' खंडकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए । १५

अथवा

१ अर्जुन का चरित्रचित्रण कीजिए । १५

२ खंडकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'जयद्रथ–वध' खंडकाव्य का मूल्यांकन कीजिए । १५

अथवा

२ अभिमन्यु की चारित्रिक विशेषता स्पष्ट कीजिए । १५

३ निम्नांकित में से किन्हीं तीन ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : १५

(१) ''हे तात तजिए सोच को है काम ही क्या क्लेश का ?
मैं द्वार उद्‌घाटित करूँगा व्यूह बीच प्रवेश का ।''

(२) ''उस एक ही अभिमन्यु से यों युद्ध जिस जिसने किया,
मारा गया अथवा समुद्र से विमुख होकर ही जिया ।''

(३) ''बहु विध विलाप – प्रलाप वह करने लगी उस शोक में,
निज प्रिय वियोग समान दुःख होता न कोई लोक में ॥''

(४) ''परिणाम को सोचे बिना जो लोग करते कार्य है
वे दुःख में पड़कर कभी पाते नहीं विश्राम है ।''

(५) ''रण में मरण क्षत्रिय जनों को स्वर्ग देता है सदा,
है कौन ऐसा विश्व में जीता रहे जो सर्वदा ?''

४ 'जयद्रथ–वध' खंडकाव्य के संदेश पर प्रकाश डालिए । १५

अथवा

४ गुप्तजी की रचनाओं में जयद्रथ–वध का स्थान निर्धारित कीजिए । १५

५ गुप्तजी के साहित्य पर प्रकाश डालिए । १०

अथवा

५ 'जयद्रथ–वध' खंडकाव्य के कथानक में कवि द्वारा किये गये परिवर्तन की चर्चा कीजिए । १०